



**पाठ्यक्रम  
SYLLABUS**

**पीएच.डी.  
Ph.D.  
कार्यक्रम  
PROGRAMME  
हिन्दी  
HINDI**

**गंगाधर मेहेर विश्वविद्यालय  
GANGADHAR MEHER UNIVERSITY  
अमृत विहार, संबलपुर, ओड़िशा(भारत)-768004  
Amrut Vihar, Sambalpur, Odisha(India)-768004**

**SYLLABUS**  
**Ph.D. PROGRAMME IN HINDI**  
**G.M. UNIVERSITY, SAMBALPUR**

**Semester – I**

<b>Paper No.</b>	<b>Title of Paper</b>	<b>Maximum Marks</b>	<b>Credits assigned</b>
711	Recent Trends in the Subject	80 + 20 = 100	4 Credits
712	Research Methodology-I	80 + 20 = 100	4 Credits
713	Research Methodology-II	80 + 20 = 100	4 Credits
714	Dissertation or review Writing/ Presentation/Viva-Voce	150+25+25=200	8 Credits
	Total	500	20 Credits

## Semester – I

Paper No. - 711

80+20=100

हिन्दी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि एवं तुलनात्मक अध्ययन

इकाई-1

**तुलनात्मक साहित्य का स्वरूप**

तुलनात्मक साहित्य का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप

तुलनात्मक साहित्य का इतिहास

तुलनात्मक साहित्य की अवधारणा

भारतीय तुलनात्मक साहित्य

भारतीय साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन और समस्याएँ

इकाई-2

**तुलनात्मक साहित्य एवं अनुवाद**

तुलनात्मक साहित्य में अनुवाद की भूमिका

भारतीय साहित्य में अनुवाद का महत्व

विश्व साहित्य और अनुवाद

इकाई-3

**हिन्दी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि तथा आधुनिक साहित्य चिन्तन**

साहित्य के विभिन्न सांस्कृतिक आंदोलन

मध्ययुगीन बोध

आधुनिकताबोध

राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन

गाँधीवाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, उत्तर आधुनिकतावाद

इकाई-4

**अस्मिता विमर्श**

स्त्री विमर्श

दलित विमर्श

आदिवासी विमर्श

**संदर्भ ग्रंथ-**

तुलनात्मक साहित्य की भूमिका - इंद्रनाथ चौधुरी

सर्जना और सन्दर्भ - अज्ञेय

तुलनात्मक साहित्य - डॉ. नगेन्द्र

तुलनात्मक अध्ययन: भारतीय भाषाएँ और साहित्य - डॉ.भ.ह.राजुरकर

तुलनात्मक साहित्य भारतीय परिप्रेक्ष-इंद्रनाथ चौधरी

Comparative Literature and Literary Theory-R.K.Dhawan(Ed.)

Comparative Literature – Nagendra(Ed.)

हिन्दी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि -विनय कुमार पाठक, चिल्ड्रेन बूक बैंक,

कालमाक्स: कला और साहित्य चिंतन - सं. नामवर सिंह, अनुवाद : गोरख पाण्डेय, राजकमल प्रकाशन  
गाँधीवाद की शव परीक्षा - यशपाल, राजकमल प्रकाशन  
मध्यकालीन बोध का स्वरूप - हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन  
औरत : अस्तित्व और अस्मिता - अरविंद जैन, राजकमल प्रकाशन  
स्त्री अध्ययन की बुनियाद - प्रमिला के.पी., राजकमल प्रकाशन  
उत्तर आधुनिकता: बहु आयामी संदर्भ - पाण्डेय शशिभूषण 'शीतांशु', लोकभारती प्रकाशन  
उत्तर आधुनिकता और समकालीन कथा साहित्य - लक्ष्मी गौतम, लोकभारती प्रकाशन  
साहित्य आंदोलन और साहित्य विवादों का इतिहास झ अपराजिता श्रीवास्ताव, लोकभारती प्रकाशन  
आधुनिक हिन्दी आलोचना के बीज शब्द - बच्चन सिंह, वाणी प्रकाशन  
हिन्दी साहित्य कोश, भाग-1 और 2 - संपादक-धीरेंद्र वर्मा आदि, ज्ञानमंडल प्रकाशन  
नई कविता और अस्तित्ववाद झ रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन  
दलित साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि - जनार्दन बाघमरे,  
हिन्दी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारणी सभा, काशी  
हिन्दी साहित्य का इतिहास - डॉ. नगेंद्र  
हिन्दी साहित्य का आदिकाल - डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी, पटना  
हिन्दी आलोचना के आधार स्तंभ - रामेश्वर खंडेलवाल, सुरेशचंद्र गुप्त

**Paper No.- 712**

**80+20=100**

**शोध प्रविधि - I**

इस पेपर का पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय द्वारा अनुमोदित सामान्य विषय रहेगा ।

**Paper No. - 713**

**80+20=100**

**शोध प्रविधि - II**

इस पेपर का पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय द्वारा अनुमोदित सामान्य विषय रहेगा ।

**Paper No.- 714**

**150+25+25=200**

**शोध प्रबंध**

शोध प्रबंध	150
सेमिनार	25
मौखिक परीक्षा	25

इसके अंतर्गत शोध प्रबंध परीक्षा हेतु प्रस्तुत किया जाएगा। विषय का आवंटन विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग द्वारा किया जाएगा। विभाग ही विशेषज्ञ/निदेशक की व्यवस्था करेगा। इस शोध प्रबंध का मूल्यांकन 150 अंकों में से वाह्य विशेषज्ञ/परीक्षक द्वारा कराया जाना अभीष्ट है।

\*\*\*\*\*